>

Title: Need to provide adequate quantity of jute sacks for packaging wheat and to ensure timely procurement of wheat by FCI from farmers in Madhya Pradesh.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): मध्य प्रदेश में इस बार गेहूं की रिकार्ड पैदावार हुई है और लगभग 80 लाख टन अनाज का उपार्जन होने का अनुमान है। इतिहास में पहली बार म.प्र. गेहूं उपार्जन के मामले में पूरे देश में सबसे आगे है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए व्यापक इंतजाम किए हैं किंतु इसके बावजूद भी केन्द्र सरकार द्वारा खरीदी के लिए पर्याप्त संख्या में बारदानों की आपूर्ति नहीं की गई है। प्रदेश में गेहूं खरीदी के लिए 16 करोड़ बोरों की आवश्यकता है और इसके लिए पूरा भुगतान भी कर दिया गया है, किंतु केन्द्र सरकार द्वारा केवल 9 करोड़ बोरे ही उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा भी केन्द्रीय खाद्य मंत्री जी से मिलकर जूट के बोरों की उपलब्धता न होने की स्थिति में प्लास्टिक बैग्स को उपयोग करने की अनुमति मांगी है जोकि आंशिक रूप से ही दी गई है।

केन्द्र सरकार से आग्रह है कि राज्य में मानसून की संभावना को देखते हुए यथाशीघ्र शेष बारदानों की आपूर्ति की जाए। इसके लिए मांग के हिसाब से रैक की उपलब्धता कराई जाए, ताकि समय रहते शत-प्रतिशत गेहूं का उपार्जन किया जा सके। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर खरीद के बाद अनाज के भंडारण की समस्या न हो इसके लिए भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिक से अधिक गेहूं के उठाव को भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।